केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, इलाहाबाद
जनसम्पर्क विभाग

संख्या :
कोर/जी/पीआर/010 भाग-XXII

दिनांक 15.09.2020

प्रेस विज्ञप्ति

अभियन्ता दिवस पर कोर द्वारा रचा गया इतिहास

अभियन्ता दिवस पर एक परियोजना संगठन द्वारा देश को समर्पित करने के लिए इससे बड़ा तोहफा क्या हो सकता है कि ओ अपने ही बनाए हुए रिकार्ड से बढ़कर उपलब्धि हासिल करे। प्रयागराज स्थित केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन ने दिनांक 14.09.2020 को अपने खाते में एक दिन में सर्वाधिक वायरिंग (138 शॉट/90 टीकेएम) कर अपने ही बनाए हुए पुराने कीर्तिमान को तोड़कर यह उपलब्धि दर्ज की है।

रेल विद्युतीकरण करने की प्रक्रिया में सर्वप्रथम फाउंडेशन उपरान्त मास्ट लगाया जाता है तदुपरान्त वायरिंग की जाती है जिसमें वायरिंग ट्रेन के द्वारा दो तारों को लगाया जाता है जिसमें ऊपर वाला तार कैटेनरी तथा नीचे वाला कांट्रेक्ट वायर कहलाता है। इसी नीचे वाले तार के सम्पर्क में पेंटोग्राफ द्वारा विद्युत इंजन को ऊर्जा प्राप्त होती है जिससे ट्रेनों का संचालन होता है। इसके लिए एक वायरिंग ट्रेन की मदद ली जाती है दोनों तारों को एक साथ खोलना और धीमी गति से चलती हुई वायरिंग ट्रेन की मदद से ट्रैक पर लगे मास्ट पर लगाना एक जटिल प्रक्रिया है। सामान्य परिस्थितियों में कोर प्रयागराज के अधीन नौ प्रोजेक्ट इकाइयों के द्वारा मिलकर भी औसतन मात्र 30 शॉट (लगभग 42 ट्रैक किमी) ही वायरिंग की जाती है।

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज के महाप्रबन्धक श्री यशपाल सिंह के कुशल निर्देशन में दिनांक 14.09.2020 को अभियन्ता दिवस के अवसर पर रेल विद्युतीकरण के इतिहास में पहली बार एक दिन में कुल 138 शॉट (90 ट्रैक किलोमीटर) वायरिंग की गई। इसके पूर्व दिनांक 22.02.2020 को 68 शॉट वायरिंग एक दिन में हुई थी। इसमें रेल विद्युतीकरण की लखनऊ परियोजना का सर्वाधिक योगदान (107 शॉट/70 ट्रैक किलोमीटर) रहा है। कोर मुख्यालय के अधीनस्थ कुल 09 परियोजनाओं ने रेल विद्युतीकरण वायरिंग के इस प्रयास में अपना योगदान दिया, परन्तु लखनऊ परियोजना द्वारा उन्नाव-बालामऊ खण्ड में 74 शॉट (50 रूट किलोमीटर) सर्वाधिक रहा है। जो की रेलवे के विद्युतीकरण के इतिहास में मील का पत्थर है। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए महाप्रबन्धक (कोर) श्री यशपाल सिंह, के नेतृत्व में चौबीस घण्टे कार्य की योजना बनाई गई। वायरिंग ट्रेन में उच्च शक्ति के जनरेटरों से चलती ट्रेन में भी पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की गई। सभी मशीनों एवं कलपुर्ज़ों की टेस्टिंग इत्यादि करके यह सुनिश्चित किया गया कि ऐन वक्त पर उनमें कोई खराबी न आये। सात टावर कार, 7 वायरिंग ट्रेन एवं तीन क्रेनों की मदद से यह कार्य संपादित किया गया। आस-पास के डिपो से मानीटरिंग के लिए कर्मचारियों को भी एकत्र किया गया।

इस कार्य का नेतृत्व श्री अरुण कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, कोर द्वारा श्री एस. के. दुबे, मुख्य परियोजन निदेशक, रेल विद्युतीकरण, लखनऊ के सहयोग से किया गया। इस कार्य को संपादित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से मालगाड़ियों एवं पैसेंजर गाड़ियों को रेगुलेट करने का कार्य उत्तर रेलवे के टिम के द्वारा किया गया जिससे वायरिंग ट्रेन द्वारा निर्वाध रूप से कार्य सम्पन्न हुआ।

कोरोना महामारी के इस दौर में भी रेल विद्युतीकरण परियोजना अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर भारतीय रेलवे के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को साकार करने में अपना अमूल्य योगदान कर रही है। क्योंकि रेल विद्युतीकरण होने से भारतीय रेल के मौजूदा उच्च घनत्व वाले मार्गों पर अधिक रेल गाड़ियों को चलाने और गाड़ी परिचालन की प्रति यूनिट लागत को कम करने में अहम भूमिका अदा कर रही है।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज